



कार्यालय सचिवालय

# अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद

**International Council of Religions**

वेबसाइट: [www.icr-int.org](http://www.icr-int.org)

Ref No.: - ICR/2025/68292

Dated: - 06/11/2025

## अधिसूचना

विषय: परिषद के पावन आध्यात्मिक एवं दार्शनिक उद्घोष 'प्रार्थनाएँ अनेक, कामना एक: समस्त मानव जाति का कल्याण' (Many Prayers, One Aspiration: Universal Welfare of Humankind) का आधिकारिक विधिक विमोचन, 'साझा सर्वधर्म प्रार्थना संहिता 2025' (Universal Interfaith Prayer Code) का अंगीकरण, वैश्विक प्रार्थना दिवस की घोषणा तथा क्रियान्वयन विधिक आदेश।

अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद के संविधान के अनुच्छेद 1 (आध्यात्मिक एकता एवं शांति अधिदेश), अनुच्छेद 4 (सार्वभौमिक प्रार्थना व सह-अस्तित्व), संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मानवीय आदर्शों तथा शासी निकाय (Governing Council) एवं अंतरराष्ट्रीय धर्माचार्य मंडल के सर्वसम्मत संकल्प संख्या PR-38/2025 के अनुसरण में, समस्त धार्मिक उपासना पद्धतियों, मंत्रों, दुआओं, स्तुतियों एवं प्रार्थनाओं की मूल आत्मा को एकाकार करने वाले मार्गदर्शक सिद्धांत 'प्रार्थनाएँ अनेक, कामना एक: समस्त मानव जाति का कल्याण' को एतद्वारा विधिक रूप से प्रख्यापित, विमोचित एवं वैश्विक स्तर पर अधिसूचित किया जाता है।

### 1. संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं विधिक अधिदेश

- 1.1 यह अधिसूचना 'अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद (प्रार्थनाएँ अनेक, कामना एक - सार्वभौमिक प्रार्थना संहिता) अधिसूचना, 2025' कही जाएगी।
- 1.2 यह अधिसूचना परिषद के समस्त 162 सदस्य देशों, राष्ट्रीय चैपर्स, संबद्ध उपासना स्थलों (मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च, सिनेगॉग, विहार, जिनालय, अगीयारी, बहाई उपासना केंद्र आदि) एवं शांति दूतों पर तत्काल प्रभाव से लागू होगी।
- 1.3 इस अधिसूचना का मुख्य अधिदेश विश्व भर में विभिन्न भाषाओं और विधियों से की जाने वाली प्रार्थनाओं के अंतर्निहित भाव- 'विश्व शांति, रोग-मुक्ति, दुर्भिक्ष-निवारण एवं समस्त प्राणियों का कल्याण' को साझा मंच प्रदान करना है।

### 2. विभिन्न धर्म-परंपराओं में कल्याणकारी प्रार्थनाओं का साझा साक्ष्य

परिषद यह दृढ़ता से प्रतिपादित करती है कि प्रत्येक धर्म की प्रार्थना की अंतिम पंक्ति केवल अपने संप्रदाय के लिए नहीं, अपितु चराचर जगत के कल्याण हेतु समर्पित है:

#### सनातन वैदिक प्रार्थना परंपरा:

- 'ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत्॥' – सभी सुखी हों, सभी रोगमुक्त हों, सभी का कल्याण हो और कोई भी प्राणी दुःख का भागी न बने।
- 'ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्षं शान्तिः पृथिवी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः...' – समस्त ब्रह्मांड, जल, थल, वनस्पति एवं चेतना में शांति की कामना।

### इस्लामी दुआ एवं प्रार्थना परंपरा:

- 'रब्बना आतिना फिद्दुनिया हसनतंव वफिल् आखिरति हसनतंव वकिना अज़ाबन्नार' – हे हमारे पालनहार! हमें इस लोक में भी भलाई दे और परलोक में भी भलाई दे, तथा हमें हर प्रकार के संकट से बचा।
- 'अल्लाहुम्मा अन्तस्सलाम वमिनकस्सलाम तबारकता या जल जलालि वल इकराम' – हे ईश्वर! तू ही शांति का स्रोत है और तेरी ओर से ही समस्त शांति अवतरित होती है।

### ईसाई प्रार्थना परंपरा:

- 'The Lord's Prayer (प्रभु की प्रार्थना)' – 'तेरा राज्य आए, तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हो... हमें हमारे अपराध क्षमा कर जैसे हम अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं।' (मैथ्यू 6:9-13)
- सेंट फ्रांसिस की शांति प्रार्थना – 'हे प्रभु! मुझे अपनी शांति का साधन बना, जहाँ घृणा हो वहाँ मैं प्रेम का संचार करूँ, जहाँ अंधकार हो वहाँ ज्योति जलाऊँ।'

### सिख अरदास परंपरा:

- 'नानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणे सरबत दा भला' – श्री गुरु ग्रंथ साहिब की प्रत्येक अरदास का समापन संपूर्ण मानव जाति और समस्त सृष्टि के सर्व-कल्याण (सरबत दा भला) की मंगलकामना से होता है।

### जैन एवं बौद्ध मंगल-कामना परंपरा:

- 'खामेमि सव्व जीवे, सव्वे जीवा खमंतु मे। मित्ति मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ॥' – मैं समस्त जीवों से क्षमा मांगता हूँ, सब जीव मुझे क्षमा करें; मेरी सब जीवों से मैत्री है, किसी से कोई वैर नहीं।
- बौद्ध 'मेट्टा सुत्त' (मैत्री भावना) – 'सब्बे सत्ता सुखी होंतु, सब्बे होंतु च खेमिनो' – समस्त प्राणी सुखी हों, भयमुक्त हों और परम शांति को प्राप्त हों।

### 3. 'साझा सर्वधर्म प्रार्थना संहिता 2025' के पंच-सूत्रीय विधिक सिद्धांत

समस्त संबद्ध उपासना स्थलों, शैक्षणिक परिसरों एवं सार्वजनिक आयोजनों हेतु निम्नलिखित विधिक प्रार्थना संहिता अनुमोदित की जाती है:

#### सिद्धांत 1: एकात्म चेतना एवं शुद्ध मंगल-कामना:

- प्रार्थना किसी अन्य मत, संप्रदाय अथवा समाज के विरुद्ध न होकर विशुद्ध रूप से सार्वभौमिक सद्भाव, करुणा एवं विश्व शांति हेतु समर्पित होगी।

#### सिद्धांत 2: 'साझा सर्वधर्म प्रार्थना सभा'

- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आपदाओं, युद्ध-विभीषिका, महामारी अथवा प्राकृतिक संकट के समय समस्त उपासना स्थलों पर समकालिक मौन एवं सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन।

#### सिद्धांत 3: 'प्रतिदिन 2 मिनट शांति संकल्प'

- प्रत्येक विद्यालय, कॉलेज, सार्वजनिक संस्थान एवं उपासना स्थल पर कार्य दिवस के प्रारंभ में 2 मिनट का मौन/सार्वभौमिक प्रार्थना संकल्प।

#### सिद्धांत 4: प्रार्थना के साथ कर्म एवं सेवा का समन्वय

- प्रार्थना को केवल शब्दों तक सीमित न रखकर उसे प्रत्यक्ष पीड़ित-सेवा, अन्नदान, जल-सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के रूप में धरातल पर क्रियान्वित करना।

## सिद्धांत 5: किसी भी उपासना पद्धति का अनादर निषेध:

- किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत प्रार्थना पद्धति, भाषा अथवा रीति का उपहास उड़ाना अथवा उसे हीन बताना विधिक रूप से दंडनीय आचरण माना जाएगा।

### 4. 'विश्व सर्वधर्म प्रार्थना एवं सद्भाव दिवस' की घोषणा (World Interfaith Prayer Day)

4.1 शासी निकाय द्वारा प्रत्येक वर्ष \*\*01 जनवरी\*\* (नववर्ष दिवस) तथा \*\*21 सितंबर\*\* (संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस) को आधिकारिक \*\*'विश्व सर्वधर्म प्रार्थना एवं सद्भाव दिवस' (World Interfaith Prayer Day) के रूप में मनाने की विधिक घोषणा की जाती है।

4.2 इन पावन अवसरों पर विश्व भर के 162 देशों में स्थित उपासना स्थलों पर एक साथ सर्वधर्म मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन एवं मानव कल्याण संकल्प का आयोजन किया जाएगा।

### 5. वैश्विक प्रार्थना संकलन ग्रंथ का प्रकाशन (Global Interfaith Prayer Anthology)

परिषद के अकादमिक संभाग द्वारा विश्व के समस्त प्रमुख धर्मों की 108 सार्वभौमिक कल्याणकारी प्रार्थनाओं, मूल पाठ, अर्थ एवं ऑडियो-विजुअल संकलन युक्त ग्रंथ \*\*'विश्व प्रार्थना मंजूषा' (Universal Prayer Anthology)\*\* का 12 अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में ओपन-एक्सेस डिजिटल प्रकाशन किया गया है, जो आधिकारिक पोर्टल पर निःशुल्क सुलभ है।

भवदीय,



अधिकृत प्रतिनिधि/विधि प्रकोष्ठ  
अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद

दिनांक: 06/11/2025



अधिकृत प्रतिनिधि/विधि प्रकोष्ठ  
अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद